27.05.25

पत्रावली पेश हुई। पेशकार राज एवं वकील प्रतिवादी की बहस पर मनन करने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर वादी का वाद स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखाया जाकर संलग्न किया गया। पत्रावली बाद तरतीब तकमील होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

27.05.25

(किरण पाल)
RAS.